DEVENDRA SIR
Online class G.D. Mishra B.Ed College BAR
B.Ed- 2018-20 DATE-30.04.2020
Sub → C-10 (Creating an Inclusive School)

Q. विशेष आवश्यकता वाले बालकों हेतु कक्षा प्रबन्धन व्यवहार पर टिप्पणी लिखे।

Ans

विशेष आवश्यकता वाले बालको के शैक्षिक उपलब्धियों का मार्ग अवरुद्ध होता है। कक्षा के सामान्य बालक उसे स्वीकार नहीं कर पाते। इसलिए विशेष आवश्यकता वाले बालक की व्यवहार संबंधी समस्याओं का सही ढंग से प्रबन्धन करना बहुत महत्वपूर्ण है। अध्यापक से सम्बंधित दो प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वे समस्याएँ निम्नलिखित है :-

(A) अल्प अध्ययन निपुणता अनुपयुक्त व्यवहार के अन्तर्गत सबसे लड़ना, बहस करना, बहुत है, बार-बार उठना, दूसरों के साथ अन्तः क्रिया न करना।

(B) साधारण कौशल के अन्तर्गत अधूरे कार्य, पढ़ाई के दौरान कम ध्यान निर्देशनों का अनुसरण करने में असमर्थता अध्ययन समय का अल्प प्रबंध होना।

व्यवहार प्रबंधन के निम्नलिखित अधि नियम है :-

1. संक्षिप्त लक्ष्यों का कथन
2. व्यवहार को शिक्षण योग्य छोटे-छोटे घटकों में विभक्त होना।
3. व्यवस्थित प्रबन्ध की स्थापना।
4. विद्यार्थियों की उन्नति को पहचानने के लिए ऑक का संकलन।

से लक्ष्य वास्तविक निश्चित तथा व्यवहारिक होने चाहिये। कार्यों के होते होते सरल कार्यों में निर्धारित कर देना चाहिये जो आसानी से पढ़ा जाना चाहिये। विद्यार्थियों को निरन्तर पुनर्बलन प्रदान करना चाहिए। प्रैसे ने

1. व्यवहार का प्रत्यक्ष संप्रेक्षण
2. औपचारिक व्यवहार का भण्डार निश्चित विद्यार्थियों के व्यवहार में सुधार लाने हेतु प्रबन्धन के आग्रह समस्त विद्यार्थियों के लिए व्यवहार संबंधी आशाओं का कथन।
3. इस तथ्य का पता लगाना है कि क्या वहाँ ऐसी विद्यार्थी है जो आशानुरूप पुनर्बलन प्राप्त करें। यदि है तो वे :

A) आशाओं के बारे में जानते हैं और समझते हैं।
B) इस तथ्य का पता लगाना कि अपेक्षित व्यवहार की जानकारी जो उन्हें प्राप्त करना है अर्थात सीखना है
C) उन्हें व्यवहार हेतु आवश्यक कौशल अथवा निपुणता
D) एक मध्यस्थ कार्यक्रम की आवश्यकता हेतु आवश्यक आँकड़ो का विश्लेषण।
E) मध्यस्था को उपयुक्त करना।
F) आवश्यक कार्यवाही करना।

जब विद्यार्थी शिक्षक द्वारा इच्छित व्यवहार कर रहे और उनका व्यवहार मध्य स्थता पर निर्भर न हो तब भी आँकड़ा का संकलन तथा रख रखाव रखना चाहिये। नियोजन को कम करके अवरोधन को कम किया जा सकता है। ये निम्न प्रकार से संप्रेषित किया जा सकता है।

7) कक्षा के नियमों की स्थापना → कक्षा के व्यवहार से संबंधित नियम ऐसे होने चाहिये कि अध्यापक

द्वारा आशानुरूप व्यवहार की प्राप्ति हेतु सहायक है।
उपयुक्त व्यवहार एवं पुनर्बलन :- जब विद्यार्थी अच्छा व्यवहार करें तो उन्हें पुरस्कृत तथा सम्मान देना चाहिये।
पुनर्बलन का प्रयोग :- विद्यार्थियों के अच्छे व्यवहार की प्राप्ति हेतु आवश्यक है ऐसे पुनर्बलन का प्रयोग करना चाहिए जो विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। इस तथ्य का पता लगाने विद्यार्थी पुरस्कार के रूप में किसका ... है।
प्रारूप का प्रयोग :- बाधित विद्यार्थियों को किसी अन्य व्यक्ति के अच्छा व्यवहार करते हुए दिखाया जाता है वह बहुत सावधानीपूर्वक करना चाहिए ताकी बालक पर उस बुरा प्रभाव न पड़े।

अनुप्रयुक्त व्यवहार में कमी :- सकारात्मक तथा निम्न पुर्नबलन आयामों के प्रयोग के द्वारा अनुप्रयुक्त व्यवहार कम किया जा सकता है।
कक्षा प्रबंधन हेतु आवश्यक ध्यान देना चाहिये :-
1) भौतिक वातावरण की व्यवस्था
2) अनुदेशात्मक वातावरण का संगठन
3) शिक्षा की तकनीकी का प्रयोग
4) समय तथा अन्य संसाधनों का प्रबन्धन

=o=